आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–07 नवम्बर 2024 सान्ध्य समाचार

भगवान सूर्य की उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ का आज तीसरा दिन है। कल खरना का अनुष्ठान पूरा करने के बाद निर्जल व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने आज शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की खुशहाली के लिये भगवान सूर्य और छठ माता से मंगल कामना कीं। कल उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ व्रत की पूर्णाहुति होगी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की बधाई दी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भोजपुरी बोली में एक शुभकामना संदेश भी जारी किया–

लोक आस्था, प्रकृति प्रेम, पवित्रता और सूर्योपासना के महापर्व छठ पर हमरे तरफ से आप सब माता–बहने और भोजपुरी समाज के लोगन के बहुत–बहुत मंगलकामना। छठी मइया के कृपा से हमरे प्रदेश में सबके जीवन में सुख अउर खुसहाली बनल रहे, येही प्रार्थना बा। जय जय छठी मइया।

मुख्यमंत्री आज शाम लखनऊ के लक्ष्मण मेला पार्क कें गोमती नदी के तट पर आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में भी पहुंचे। यहां उन्होंने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिये मंगल कामना की।

उधर, प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धालु छठ व्रत के पारंपरिक गीतों तथा गाजे बाजे के बीच अपने परिवार के सदस्यों के साथ आज अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के लिए छठ घाटों पर पहुंचे। वाराणसी में गंगा नदी के चौरासी घाटों पर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने के लिये श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। गोरखपुर में राप्ती नदी के तट पर भी छठ पूजा के लिये भारी भीड़ उमड़ी। बिहार की सीमा से सटे कुशीनगर सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में छठ पर्व श्रद्धा,भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। हमारे कुशीनगर प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट–

कुशीनगर जिले में सरोवरों तथा नदी किनारे बने छठ घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। जिले के तुर्कपट्टी स्थित प्राचीन सूर्य मन्दिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी हुई है। छठ महापर्व के कल चौथे दिन व्रती महिलाएं उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर अपना व्रत सम्पन्न करेंगी। विवेक पाण्डेय आकाशवाणी समाचार, कुशीनगर।

****

केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पराली जलाने पर जुर्माना दोगुना कर दिया है। सरकार ने कल राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने से संबंधित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के नए संशोधित नियम अधिसूचित किए। नए नियमों के तहत दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को अब पांच हजार रुपये जुर्माना देना होगा जो पहले ढाई हजार रुपये था। दो से पांच एकड़ जमीन वाले किसानों को दस हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति देना होगा। जिन किसानों के पास पांच एकड़ से अधिक जमीन है, उन्हें तीस हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति देनी होगी।

****

मानवता की अमूर्त विरासत प्रयागराज महाकुंभ दो हजार पच्चीस में आने वाले श्रद्धालुओं को सरकार अधिक से अधिक सुविधा देने के प्रयास कर रही है। इसी क्रम में प्रयागराज रेल मण्डल महाकुंभ में पहली बार बहुभाषीय उद्घोषणा करने की व्यवस्था कर रहा है। इससे अलग–अलग राज्यों के लोग अपनी भाषा में ट्रेनों की जानकारी आसानी से ले सकेंगे। प्रयागराज रेल मण्डल के वरिष्ठ जन सम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि सभी मुख्य स्टेशनों पर हिन्दी और अंग्रेजी भाषा के साथ गुजराती, मराठी, तमिल, तेलगू, मलयालम, कन्नड़, बांग्ला, असमिया, उड़िया और पंजाबी भाषाओं में भी ट्रेनों के सम्बन्ध में उद्घोषणा की जायेगी।

****

वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध देव दीपावली का आयोजन पन्द्रह नवम्बर को होगा। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने बताया कि इसके अलावा बारह से चौदह नवम्बर तक गंगा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। देव दीपावली के अवसर पर काशी के गंगा तटा पर लेजर शो का आयोजन भी किया जायेगा। इस अवसर पर गंगा के तटों पर करीब बारह लाख दीये प्रज्ज्वलित किये जायेंगे। प्रदेश सरकार ने काशी की देव दीपावली को प्रान्तीय मेलों में शामिल किया है।

****

अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के सामने महर्षि वाल्मीकि का भी मंदिर बनाया जाएगा। आज राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि राम मंदिर परिसर में सप्त मंदिर बनाए जा रहे हैं। राम मंदिर के पहले महर्षि वाल्मीकि का मंदिर होगा। महर्षि वाल्मीकि मंदिर के ठीक सामने सातवां मंदिर अगस्त मुनि का होगा। उन्होंने बताया कि सप्त मंदिर के बीच में एक छोटा सा सरोवर भी बनाया जाएगा उस सरोवर में श्रद्धालु आचमन कर सप्त मंदिर के दर्शन कर सकेंगे।

****

आज राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जा रहा है। इसकी शुरुआत वर्ष 2014 में सात नवंबर को हुई थी। कैंसर जागरूकता दिवस का उद्देश्य कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं की तरफ से जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

****